हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
"टिप्पण व प्रारूप लेखन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजन

(दिनांक 13.03.2020, दिवस शुक्रवार समय 11 बजे पूर्वाह्न से 2 बजे अपराह्न तक)

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप दिनांक 13 मार्च 2020 को संस्थान में "टिप्पण व प्रारूप लेखन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन डॉ एस.एस.सामंत निदेशक हि.व.अ.सं, शिमला की अध्यक्षता एवं समुचित मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के लगभग सभी कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित थे ।

कार्यशाला का पदार्पण संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष श्री सत्य प्रकाश नेगी, भा.व.से के स्वागत संबोधन के साथ हुआ जिसमें उन्होंनें इस अवसर पर आमंत्रित मुख्य वक्ता श्री एस.एल.गौतम, महा मुख्य प्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटड एवं अन्य वक्ता श्री गुलशन कुमार, प्रबंधक एवं सहायक निदेशक राजभाषा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का संस्थान में पधारने के लिए स्वागत किया ।

इसके पश्चात कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे डॉ एस.एस.सामंत निदेशक द्वारा हिन्दी भाषा की

सार्वभौमिकता एवं अपरिहार्यता पर विशेष बल देते हुए कहा गया कि हमारा संस्थान हर क्षेत्र में प्रगति हेतु प्रतिबद्ध है फिर चाहें यह क्षेत्र अनुसंधान का हो अथवा हिन्दी भाषा में उतरोत्तर प्रगति का । निदेशक महोदय ने इस दौरान संस्थान द्वारा हिन्दी भाषा के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों जैसे- नराकास कार्यालय -2 द्वारा संस्थान को द्वतीय पुरस्कार दिया जाना, संस्थान के कर्मचारियों द्वारा नराकास प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन आदि को चिन्हित करते हुए कहा कि संस्थान प्रत्येक कर्मचारी/अधिकारी के सहयोग से हिन्दी भाषा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर है ।

कार्यशाला के मुख्य चरण में श्री एस.एल गौतम, महा मुख्य प्रबंधक,बी.एस.एन.एल.द्वारा राजभाषा हिन्दी से संबंद्ध अपने अनुभवों को उपस्थित सदस्यों के साथ सांझा किया गया । बतौर मुख्य वक्ता उन्होंनें हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन को एक ऐसे आधार स्तंभ के रूप में प्रतिपादित किया जिसका महत्व चिरस्थायी एवं सर्वकालिक है। सामान्य शब्दावली में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन का सार समझाते हुए उन्होनें इस विषय से संबंधित कई पहलूओं कों उदाहरणों के माध्यम से पटल पर रखा । अपने अनुभवों को उन्होंनें एक लयबद्ध तरीके से व्यक्त करते हुए कहा कि, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन राजभाषा की एक अहम कड़ी है जिसका तकनीकी बोध न केवल राजकीय कामकाज अपितु हिन्दी भाषा के दुगर्म लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंनें संस्थान द्वारा हिन्दी भाषा के क्षेत्र में विगत प्रयासों की सराहना की एवं संस्थान से इस दिशा में और अधिक संगठित प्रयासों की अपेक्षा की ।

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन में व्याकरण एवं वर्तनी संबंधी अशुद्धियां प्रायः बहुतायत पाई जाती हैं

इस समस्या के प्रतिकार हेतु श्री गुलशन कुमार द्वारा श्यामपट्ट की सहायता से लगभग कक्षा-अध्यापक-विद्यार्थी जैसी व्यवस्था के तहत एक समावेशी व्याख्यान दिया गया । इस दौरान सभागार में उपस्थित सदस्यों द्वारा वर्तनी संबंधी शंकाओं, व्याकरण संबंधी भ्रांतियों आदि पर विचार विमर्श किया गया एवं उनके मानक स्वरूप को समझा गया ।

कार्यशाला के अंत में निदेशक महोदय द्वारा अतिथियों को समृति चिन्ह, हिमाचली टोपी, एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया ।

अंत में सहायक निदेशक राजभाषा (प्रभारी) श्री दिनेश पॉल द्वारा इस अवसर मुख्य अतिथियों, एवं संस्थान के सभी सदस्यों का उनके अप्रतिम सहयोग के लिए धन्यवाद किया गया एवं इस प्रकार के कार्यक्रमों को प्राथमिकता के आधार पर किए जाने हेतु निदेशक महोदय का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि संस्थान हिन्दी भाषा की प्रगति के लिए भविष्य में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रमों को क्रियान्वित करेगा ।

(छायाचित्रों के माध्यम से कार्यक्रम की अन्य झलकियां)

-इति-